गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 44 | गोरखपुर रविवार 20 अप्रैल 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

गीता और नाट्यशास्त्र यूनेस्को ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल...

प्रधानमंत्री बोले- हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण

अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दशार्ते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह एक वैश्विक पहल है जो उत्कृष्ट मूल्य की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करती है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि दुनिया भर में हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है! यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि दुनिया भारत के ज्ञान को संजोकर रखती है। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के विश्व स्मृति रजिस्टर में शामिल किए जाने के भव्य अवसर पर प्रत्येक भारतीय को बधाई। ये शास्त्र भारत के प्राचीन ज्ञान को दशार्ते हैं, जिसने अनादि काल से मानवता को दुनिया को बेहतर बनाने और जीवन को अधिक सुंदर बनाने का प्रकाश दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अपने सांस्कृतिक ज्ञान को वैश्विक कल्याण के केंद्र में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। यह इन प्रयासों की एक बड़ी मान्यता है। यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में उन महत्वपूर्ण ऐतिहासिक ग्रंथों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को मान्यता दी गई है, जिन्होंने पीढ़ियों से समाज को प्रभावित किया है। भगवद गीता, भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच एक पवित्र संवाद है, जिसे लंबे समय से आध्यात्मिक और दार्शनिक आधारशिला माना जाता है। इस बीच, प्राचीन ऋषि भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र को प्रदर्शन कलाओं, विशेष रूप से रंगमंच, नृत्य और संगीत पर आधारभूत ग्रंथ माना जाता है। 18 अध्यायों में 700 श्लोकों वाली भगवद् गीता महाकाव्य महाभारत के भीष्मपर्व (अध्याय 23-40) में समाहित है। यह भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद का रूप लेती है, जिसमें सेनाएँ अर्जुन को निराशा से मुक्त करने के उद्देश्य से महायुद्ध के लिए तैयार हैं। भगवद गीता निरंतर, संचयी प्राचीन बौद्धिक भारतीय परंपरा में एक केंद्रीय ग्रंथ है, जो वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे विभिन्न विचार आंदोलनों का संश्लेषण करता है। अपनी दार्शनिक व्यापकता और गहराई के कारण, भगवद गीता को दुनिया भर में सदियों से पढ़ा जाता रहा है और कई भाषाओं में इसका अनुवाद किया गया है।

मराठी राज्य की भाषा, राजनीति कर रहे फडणवीस : संजय राउत

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य कर दी है। हालांकि, इस फैसले ने भाषा पर बहस को फिर से हवा दे दी है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बाद शिवसेना-यूबीटी सांसद संजय राउत ने इस कदम का विरोध किया है। राउत ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और यहां हिंदी पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फडणवीस भाषा की राजनीति करना चाहते हैं। मराठी यहां राज्य की भाषा है। सबसे पहले मराठी को अनिवार्य बनाएं। रोजगार, उद्योग और वाणिज्य में मराठी भाषा का सम्मान किया जाना चाहिए। संजय राउत ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस पर भाषा का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया। राउत ने तर्क दिया कि हिंदी फिल्म उद्योग मुंबई में केंद्रित है। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदी गाने गाते हैं और हिंदी फिल्में देखते हैं। फिर भी आप हमें हिंदी थोपने और सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश या पूर्वोत्तर जैसे राज्यों को हिंदी की जरूरत है। वहां हिंदी को अनिवार्य बनाएं। महाराष्ट्र में सबसे पहले मराठी बोली जानी चाहिए। उन्होंने भाजपा नेताओं पर मराठी भाषा की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जमानत इनकार पर जताई नाराजगी

आपने नया कानून बना दिया

देश की सर्वोच्च अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले पर ऐतराज जताया और सख्त टिप्पणी की है। जिसमें हाईकोर्ट ने एक शख्स को जमानत देने से इनकार कर दिया था। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा- आपने नया कानून बना दिया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एक फैसले पर नाराजगी जताई है जिसमें हाईकोर्ट ने एक दोषी को जमानत देने से यह कहकर मना कर दिया कि जमानत तभी दी जा सकती है जब दोषी अपनी आधी सजा काट चुका हो। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस उज्जल भुयान शामिल थे, ने इस फैसले को 'नए कानून की खोज' बताते हुए कहा कि हाईकोर्ट का यह निर्णय कानून में कहीं नहीं लिखा है और यह पूरी तरह गलत है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसकी जेब से रिश्वत के पैसे (बरामद हुए थे। हाईकोर्ट ने कहा कि जब तक आरोपी अपनी आधी सजा नहीं काट लेता, तब तक जमानत नहीं दी जा सकती। इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हम हैरान हैं कि हाईकोर्ट ने कानून का ऐसा नया सिद्धांत बना दिया, जिसका कोई आधार नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब ऊपरी अदालतों में अपीलों की संख्या बहुत ज्यादा हो और जल्दी सुनवाई की कोई उम्मीद न हो, तो ऐसे मामलों में दोषियों को जमानत मिलनी चाहिए। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट को मौजूदा कानूनों के आधार पर फैसला करना चाहिए था।

स्टालिन बोले, अमित शाह का कोई भी फॉर्मूला तमिलनाडु में नहीं करेगा काम, 2026 में भी बनेगी द्रमुक सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन लगातार केंद्र सरकार को चुनौती देते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अमित शाह ही नहीं, कोई भी शाह तमिलनाडु पर राज नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल किया कि मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि क्या वह ठएएळ से छूट देने का आश्वासन दे सकते हैं? क्या वह आश्वासन दे सकते हैं कि आप हिंदी नहीं थोपेंगे? क्या वह तमिलनाडु को विशेष धनराशि जारी करने की सूची दे सकते हैं? अपने सवाल को आगे बढ़ाते हुए स्टालिन ने कहा कि क्या आप अपना वचन दे सकते हैं कि परिसीमन से (संसदीय चुनावों में तमिलनाडु की) सीटें कम नहीं होंगी? अगर हम ध्यान भटका रहे हैं, तो आपने तमिलनाडु के लोगों को उचित जवाब क्यों नहीं दिया? उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह कहते हैं कि 2026 में वे (एनडीए) सरकार बनाएंगे। मैं उन्हें चुनौती देता हूं और कहता हूं कि तमिलनाडु कभी भी दिल्ली के शासन के आगे नहीं झुकेगा। हमारे पास इतनी विशिष्टता है। आप दूसरे राज्यों में पार्टियों को तोड़कर और सरकार बनाने के लिए छापे मारकर जो करते हैं, वह तमिलनाडु में नहीं चलेगा। तमिलनाडु के सीएम ने कहा कि 2026 में भी यहां द्रविड़ मॉडल की सरकार बनेगी। तमिलनाडु हमेशा दिल्ली के नियंत्रण से बाहर रहता है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया मणिपुर का दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (एमडीओएनईआर) ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मणिपुर के इंफाल का एक दिवसीय दौरा किया, जिससे क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बाद यह मणिपुर में उच्च स्तरीय मंत्रियों का पहला दौरा है, जो राज्य की प्रगति के लिए केंद्र की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सिंधिया ने मणिपुर की विकास यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए केंद्र की भूमिका को दोहराया। सिंधिया ने कहा कि हम मणिपुर के साथ प्रगति में भागीदार बनना चाहते हैं। उन्होंने विकास संबंधी प्राथमिकताओं को तेजी से आगे बढ़ाने और जमीनी स्तर पर चुनौतियों का समाधान करने में मंत्रालय की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। अपनी यात्रा के दौरान, सिंधिया ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (MDoNER) के प्रतिनिधियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

दिल्ली सरकार मानसून में जलभराव से मुक्ति सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही: मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मानसून के समय राष्ट्रीय राजधानी को जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए संवेदनशील स्थानों पर स्वचालित पंप लगाने और कर्मचारियों को तैनात करने सहित हर संभव प्रयास कर रही है। मानसून की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री ने जलभराव वाले मिंटो ब्रिज अंडरपास का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। गुप्ता ने कहा, भारी बारिश के दौरान जलनिकासी के लिए यहां स्वचालित पंप लगाए गए हैं और 2.5 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है। कर्मचारी भी हर समय ड्यूटी पर रहेंगे। संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है और सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध तरीके से हर कदम उठाएगी कि इस साल जलभराव न हो।

सम्पादकीय

महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था। बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है। बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है। कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे।

राशिफल

मेष - उगाही एवं प्रवास के लिए आज का दिन अच्छा है, ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यापार से सम्बंधित कार्यों के लिए लाभदायी दिवस है। घर में शुभप्रसंग का आयोजन होगा। शेयर-सट्टे में आर्थिक लाभ होगा।

वृषभ - अनुकूलता और प्रतिकूलता से मिला-जुला आज का दिन रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यावसायिक रूप से आप नई विचारधारा अमल में लाएँगे। आलस्य और व्यग्रता बने रहेंगे, इसलिए स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दीजिएगा।

मिथुन - नकारात्मक विचारों को मन से दूर करने की सलाह गणेशजी देते हैं। खान-पान में ध्यान रखिएगा। वाहन चलाते समय अनिष्ट घटना न हो इसका ध्यान रखिएगा। आकस्मिक धन का खर्च होगा।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि स्वादिष्ट एवं उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्रों और विपरीत लिंगीय व्यक्तियों का साथ पाकर आप प्रसन्न रहोगे। आपका आर्थिक पहेलु सुदृढ़ बनेगा, ऐसे प्रबल योग हैं। विचारों में अनिर्णायक्ता रहेगी, मुसाफरी होगी।

सिंह - आप के व्यापार का विस्तरण होगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यवसाय में धन- सम्बंधित आयोजन भी कर सकेंगे। उचित कारणो पर धन का खर्च होगा। विदेश स्थित व्यवसायीजनों से लाभ होने की संभावना है।

कन्या - आज का आप का दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। आभूषणों की खरीदी करेंगे और साथ-साथ कला के प्रति भी अभिरुचि रहेगी। व्यापार के लिए आज का दिन बहुत अच्छा दिन है।

तुला - आजका आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक प्रसन्नता का अभाव रहेगा। परिवार में उग्र वातावरण रहेगा। व्यावहारिक जीवन में मानहानि का प्रसंग न बने इसका ध्यान रखिएगा।

वृश्चिक - आज संपत्ति सम्बंधित कार्यों एवं गृहस्थजीवन के प्रश्नों का निराकरण आ जाएगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यवसायीजनों के लिए आज का दिन अनुकूल है। भाई-बंधुओं का व्यवहार सहकारपूर्ण रहेगा। प्रतिस्पर्धी परास्त होंगे।

धनु - निजी सम्बंधियों के साथ मनदुःख न हो इसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी सलाह देते हैं। आरोग्य अच्छा रहेगा। आज का दिन आध्यात्मिक प्रवृत्तियों के लिए बहुत अच्छा है। आर्थिक लाभ भी होगा।

मकर - आप की धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में आज वृद्धि हो जाएगी ऐसा गणेशजी कहते हैं। व्यवसाय और व्यापार में भी वातावरण अनुकूल रहेगा। आप के हर कार्य सरलता से पूर्ण होंगे।

कुंभ - धार्मिक और सामाजिक कार्यों के पीछे धन का खर्च अधिक होगा। सम्बंधियों और मित्रों के साथ तूतू-मैंमैं होगी।

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

पी. श्रीकुमारन

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है। तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। केरल का तर्क इस प्रकार होगा : राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना 'कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण' था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए। केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं: विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2021; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025; केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं। केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगीः तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये दिशा-निदेशों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था! महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थीः स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना। यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को

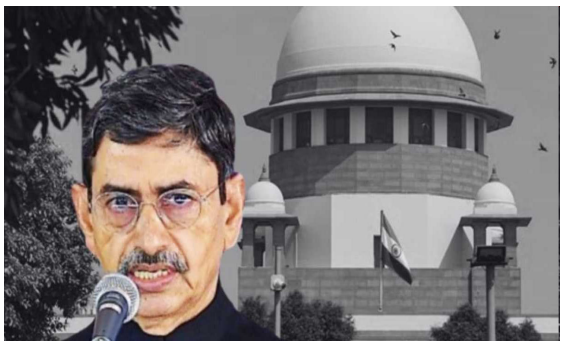

राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनः पारित और पुनः प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा। इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है। एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय गृह मंत्रालय सर्वोच्च न्यायालय के 8 अप्रैल के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर कर सकता है, जिसमें राज्यपालों द्वारा विधायी विधेयकों को बहुत लंबे समय तक मंजूरी न दिये जाने की स्थिति में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति दी गयी है। केरल के राज्यपाल आर्लेकर ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना करके पूरे मामले में एक नया आयाम जोड़ दिया है, जिसे उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के 'अधिकार से परे' बताया है।

कुछ खास...

वक्फ कानून की विसंगतियां सामने आईं

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने

दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- 'जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की जरूरत ही क्या है।' स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है कि वे इस मामले के कमजोर जमीन पर खड़े होने से वाकिफ हैं। ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पत्ति वक्फ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय करने दिया जाये तो बेहतर। अपने कुल उत्पादन का लगभग 70 फीसदी वह निर्यात करता है- वह भी अपनी जनता की जरूरतें पूरी करने के बाद।

स्क्रीनिंग में अनन्या ने लूटी महफिल

काजोल को देखकर लोगों ने कहा, दूसरी जया बच्चन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल और अनन्या पांडे हाल ही में फिल्म केसरी 2 की स्क्रीनिंग में एक साथ नजर आईं। जहां अनन्या ने अपने साड़ी लुक से सभी का दिल जीत लिया, वहीं काजोल का रवैया और स्टाइल कुछ लोगों को खास पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर काजोल के बर्ताव

को लेकर लोग उन्हें दूसरी जया बच्चन कहने लगे। अनन्या पांडे इस इवेंट में मशहूर डिजाइनर पुनीत बलाना की क्लासिक साड़ी में नजर आईं। यह साड़ी उनके कलेक्शन जौहरी बाजार 2.0 से थी। साड़ी हल्की और प्लेन थी, लेकिन उसका बॉर्डर गोल्डन धागों और मिरर वर्क से खूबसूरती से सजाया गया था। इसके साथ उन्होंने हॉल्टर नेकलाइन ब्लाउज पहना था, जिस पर सुंदर कढ़ाई और शीशे का काम किया गया था। ब्लाउज के डिजाइन और फिटिंग ने उनके पूरे लुक को शानदार बना दिया। अनन्या ने अपने बालों को हाई बन में बांधा, एक प्यारा-सा फ्लिक छोड़ा और ग्लॉसी मेकअप के साथ जया सागर ब्रांड के ईयररिंग्स पहने। इंटरनेट पर इस साड़ी की कीमत लगभग छ57,500 बताई जा रही है। वहीं काजोल ने इस स्क्रीनिंग के लिए एक पारंपरिक सूट चुना। उन्होंने ब्रांड सोनाली जी के कलेक्शन से टाई एंड डाई वाइट कुर्ता पहना, जिसमें ब्लैक एंड वाइट चेक पैटर्न की हाइलाइटिंग थी। साथ ही, उन्होंने मैचिंग दुपट्टा और पैंट्स कैरी की। उनके आउटफिट की कुल कीमत करीब 95,000 बताई जा रही है।काजोल ने अपने लुक को बहुत मिनिमल रखा। उन्होंने ब्लैक लै़स हील्स, ड्रॉप ईयररिंग्स, खुले बाल और हल्का मेकअप किया। हालांकि, उनके इस लुक को सोशल मीडिया पर उतनी सराहना नहीं मिली जितनी अनन्या को मिली। स्क्रीनिंग के दौरान जब अनन्या, काजोल से मिलने पहुंचीं तो उन्होंने उन्हें गले लगा लिया। इसी दौरान फोटोग्राफर्स दोनों से साथ में पोज देने के लिए जोर-जोर से कहने लगे। इस पर काजोल थोड़ी चिड़चिड़ी और खीझी हुई नजर आईं और उन्होंने फोटोग्राफर्स को शांत रहने को कहा। बस यही बात सोशल मीडिया यूजर्स को खटक गई और लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया कि काजोल बिल्कुल जया बच्चन जैसी हो गई हैं। किसी ने लिखा, ये तो जया जी पार्ट 2 हैं, तो किसी ने उन्हें ओवरएक्टिंग क्वीन कह दिया। जहां अनन्या को उनके लुक और बर्ताव के लिए सोशल मीडिया पर काफी सराहना मिली, वहीं काजोल को इस बार थोड़ा नकारात्मक फीडबैक झेलना पड़ा। लोगों को उनका आउटफिट और बर्ताव दोनों ही प्रभावित नहीं कर सके। हर इवेंट में सितारों की छोटी-छोटी बातें सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन जाती हैं। इस बार स्क्रीनिंग की लाइमलाइट अनन्या पांडे ने अपनी सादगी और सुंदरता से बटोरी, जबकि काजोल का अंदाज लोगों को जरा हटके और कुछ हद तक जया बच्चन स्टाइल का लगा। हालांकि, हर स्टार का अपना तरीका होता है द स्टाइल और व्यवहार दोनों में।

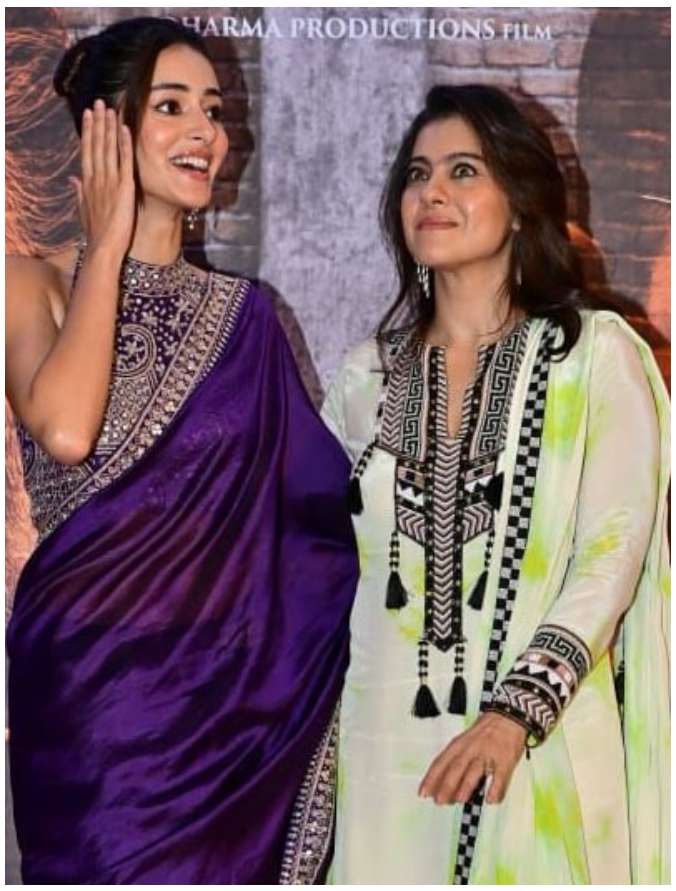

रैपर हनी सिंह की जिंदगी में एक बार फिर आया प्यार!

वायरल वीडियो से हुआ खुलासा

बॉलीवुड के मशहूर रैपर हनी सिंह हमेशा किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहते हैं। इस बार

वह अपने गानों की वजह से नहीं, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर खबरें हैं कि हनी सिंह इजिप्ट की मॉडल एम्मा बकर को डेट कर रहे हैं। इन अफवाहों को और हवा तब मिली जब हनी सिंह ने एम्मा के साथ एक खास पोस्ट शेयर किया। एम्मा बकर एक इजिप्टियन मॉडल और आर्टिस्ट हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनके इंस्टाग्राम पर करीब 2.67 लाख फॉलोअर्स हैं। एम्मा अपनी फोटोज, वीडियोज और आर्ट वर्क को इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि हनी सिंह भी एम्मा को इंस्टाग्राम पर फॉलो करती हैं, जिससे दोनों के बीच के रिश्ते को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल ही में एम्मा ने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर हनी सिंह ने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें वह एम्मा के साथ नजर आ रहे हैं।

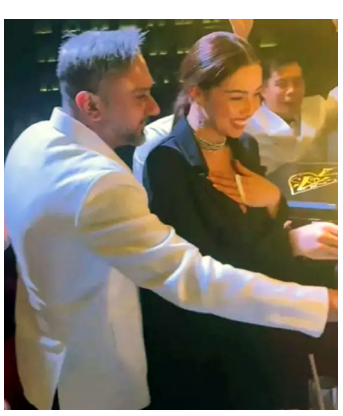

इंटरफेथ मैरिज के कारण आज भी ट्रोल होती हैं सोहा अली खान

बोलीं- हिंदू त्योहार मनाती हूं तो लोग पूछते कितने रोजे रखे?

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस सोहा अली खान हाल ही में नुसरत भरुचा के साथ फिल्म छोरी-2 में नजर आई हैं, जिसके बाद वह काफी सुर्खियों में हैं। इसी बीच हाल ही में इस एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने निजी जीवन, पारिवारिक संघर्षों और सामाजिक रूढ़ियों के बारे में खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि किस तरह एक इंटरफेथ मैरिज करने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है और कैसे उनका परिवार हमेशा उनके फैसलों के साथ खड़ा रहा। सोहा अली खान ने अपने और परिवार के संघर्षों के बारे में कहा- मेरी नानी बंगाली में एमए करना चाहती थीं, लेकिन जमाना ऐसा था कि सिर्फ मर्दों को दूर जाकर पढ़ने की इजाजत थी। महिलाओं को नहीं। फिर भी उन्होंने लड़कर पढ़ाई की। उनके एमए की फीस 50 रुपये थी। उनके पिता ने कहा था, इसमें बनारसी साड़ी ला दूं, लेकिन उन्होंने पढ़ाई को चुना। वो बंगाल की पहली एमए करने वाली महिलाओं में से थीं। सोहा ने बताया कि उनकी मां शर्मिला टैगोर को भी समाज से सवालों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा-लोग पूछते थे कि तुम्हारे पति तुम्हें एक्टिंग की इजाजत कैसे देते हैं। लेकिन मां ने खुद के लिए रास्ता बनाया और उनके उस संघर्ष ने मेरे रास्ते आसान कर दिए। अपनी शादी को लेकर सोहा ने कहा-मैंने 36 साल की उम्र में शादी की, जो उस समय लेट मानी जाती थी। लेकिन मेरे परिवार ने कभी दबाव नहीं डाला। मैं ऑक्सफोर्ड गई, एमए किया और जब मैंने देर से बच्चा प्लान किया तब भी मुझे प्रोत्साहित किया गया।

चेज करते हुए मुंबई की वानखेड़े पर 29वीं जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को चार विकेट से हराया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 18.1 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए कोई बल्लेबाज बड़ी पारी तो नहीं खेल सका, लेकिन टुकड़ों में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत हासिल करने में सफल रहे। यह मुंबई की सात मैचों में तीसरी जीत है और वह छह अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, सनराइजर्स को सात मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा है और वह चार अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की वानखेड़े में 29वीं जीत है। वहीं, हैदराबाद किसी और वेन्यू पर अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई है। इससे पहले उन्हें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ विशाखापत्तनम में मात मिली थी। उसके बाद गत विजेता

कोलकाता ने उन्हें ईडेन गार्डंस में हराया था।लक्ष्य का पीछा करते हुए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे रोहित शर्मा ने रेयान रिक्लेटन के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई, लेकिन रोहित एक बार फिर बड़ी पारी खेले बिना 26 रन बनाकर आउट हो गए। रिक्लेटन बड़ी पारी की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन एक बार जीवनदान मिलने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा सके और 31 रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर सूर्यकुमार यादव भी 26 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा और कप्तान हार्दिक पांड्या ने कुछ अच्छे शॉट्स खेलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया।18वें ओवर की शुरूआत में मुंबई को जीत के लिए दो रन चाहिए थे और पहली गेंद पर तिलक ने सिंगल लिया, लेकिन अगली गेंद पर हार्दिक आउट हो गए। हार्दिक ने 21 रन बनाए। नए बल्लेबाज के रूप में उतरे नमन धीर पांचवीं गेंद पर खाता खोले बिना आउट हुए और मुंबई की जीत का इंतजार बढ़ गया।19वें ओवर की पहली गेंद पर तिलक ने चौका लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। तिलक 17 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तान पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट झटके। उनके अलावा ईशान मलिंगा को दो और हर्षल पटेल को एक विकेट मिला।अंतिम ओवर में अनिकेत वर्मा की शानदार बल्लेबाजी से सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के सामने 163 रनों का लक्ष्य रखा। हैदराबाद की बल्लेबाजी धीमी रही, लेकिन अनिकेत ने 20वें ओवर में हार्दिक पांड्या के ओवर से 22 रन निकाले। हैदराबाद के लिए सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 28 गेंदों पर सात चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक और ट्रेविस हेड ने टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई और पावरप्ले तक मुंबई को कोई सफलता हासिल नहीं करने दी और पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। हार्दिक पांड्या ने अभिषेक को आउट कर हैदराबाद को पहला झटका दिया। इसके बाद हैदराबाद की पारी लड़खड़ा गई। ईशान किशन इस मैच में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और दो रन बनाकर आउट हुए।

नारायणमूर्ति के 17 महीने के पोते ने कमाए 3.3 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के पोते एकाग्रह रोहन मूर्ति ने महज 17 महीने की उम्र में 3.3 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। दरअसल ये कमाई इंफोसिस के डिविडेंड से हुई है। एकाग्रह रोहन मूर्ति, नारायणमूर्ति और सुधा मूर्ति के बेटे रोहन

मूर्ति के बेटे हैं। कुछ समय पहले ही नारायण मूर्ति ने इंफोसिस के 15 लाख शेयर एकाग्रह के नाम किए थे। अब उन्हीं शेयर पर यह 3.3 करोड़ रुपये का डिविडेंड मिला है। एकाग्रह नारायण मूर्ति भारत के सबसे युवा करोड़पतियों में से एक हैं। नारायण मूर्ति ने पोते एकाग्रह को बीते दिनों इंफोसिस के 15 लाख शेयर बतौर उपहार दिए थे। जिसके बाद एकाग्रह के पास कंपनी की 0.04 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जिस वक्त शेयर उपहार स्वरूप दिए गए थे, उस वक्त उनकी कीमत करीब 240 करोड़ रुपये थी। गुरुवार को इंफोसिस ने 22 प्रतिशत डिविडेंड का एलान किया। चूंकि एकाग्रह के पास 15 लाख शेयर हैं तो उन्हें डिविडेंड के तौर पर 3.3 करोड़ रुपये मिले। इस तरह एकाग्रह अब तक अपने शेयर से कुल 10.65 करोड़ रुपये का डिविडेंट कमा चुके हैं। इससे पहले एकाग्रह को डिविडेंट के तौर पर 7.35 करोड़ रुपये मिल चुके हैं। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस का चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 12 प्रतिशत घटकर 7033 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का राजस्व 7.92 प्रतिशत बढ़कर 37,923 करोड़ रुपये रहा। इंफोसिस ने चौथी तिमाही में कंपनी में 199 कर्मचारियों को नौकरी पर रखा। कंपनी अब 15-20 हजार फ्रेशर्स नियुक्त करने पर विचार कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की वंदना कटारिया के करियर की सराहना

बोले- नई पारी के लिए शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हॉकी स्टार वंदना कटारिया के खेल में योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अपने शानदार करियर में 320 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलना उनके कौशल और नेतृत्व का प्रमाण है जिसने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी कटारिया ने इस महीने की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय खेल से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके 15 साल के करियर का अंत हो गया।इस 32 वर्षीय स्ट्राइकर ने भारत के लिए 320 मैच में 158 गोल किए और वह उस राष्ट्रीय टीम का हिस्सा थीं जिसने 2021 में टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया। पीएम मोदी ने एक्स पर साझा किए गए पत्र में लिखा, 'भारतीय महिला हॉकी टीम की एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उपलब्धियों से भरे शानदार करियर की बधाई और जीवन की एक नई पारी शुरू करने के लिए आपको हार्दिक शुभकामनाएं। अपने खेल से देशवासियों को गर्व के अनेक अवसर देते हुए आपने विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश के तिरंगे को ऊंचा रखने में बड़ा योगदान दिया।'हरिद्वार के रोशनाबाद में जन्मी कटारिया का जन्म साधारण पृष्ठभूमि से हुआ था। उनके पिता भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) में तकनीशियन के रूप में काम करते थे। उन्होंने

जाति-आधारित और लिंग-आधारित गालियों के साथ-साथ खराब स्वास्थ्य और अवसाद से जूझते हुए भारतीय हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी बनने के लिए संघर्ष किया।प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक साधारण पृष्ठभूमि से आगे आकर अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से हॉकी जगत में एक विशेष पहचान बनाने तक की आपकी यात्रा उल्लेखनीय है। भारतीय महिला हॉकी इतिहास की सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनना आपकी विशिष्ट क्षमताओं का परिचायक है। एक कप्तान के तौर पर आपकी नेतृत्व क्षमता व टीम भावना सराहनीय रही और हॉकी को नई ऊंचाईयों पर ले जाने में आपने अहम भूमिका निभायी।'उन्होंने लिखा, 'देश का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में आपके उत्साह और टीम की आवश्यकता के अनुरुप खेल में विविधता को सराहा जाता रहा है। जूनियर महिला विश्व कप में भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाना हो या महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में सोने का तमगा जीतना या फिर एफआईएच महिला नेशंस कप में स्वर्ण, आपका करियर ऐसी अनेक सफलताओं से भरा हुआ है।'कटारिया ओलंपिक में हैट्रिक बनाने वाली पहली और एकमात्र भारतीय महिला हैं। पीएम मोदी ने लिखा, 'आपके करियर में कई ऐसे मौके आए हैं जो प्रशंसकों के जेहन में हमेशा ताजा रहेंगे। इनमें से एक 2020 तोक्यो ओलंपिक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आपकी हैट्रिक भी शामिल है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।'उन्होंने लिखा, 'एक खिलाड़ी के रूप में करोड़ों खेल प्रेमियों की उम्मीदों पर खरा उतरना और स्वयं को निरंतर निखारते रहना एक बड़ी चुनौती होती है।

इंफोसिस ने सीईओ सलिल पारेख के लिए 51 करोड़ रुपये की स्टॉक विकल्प योजना की मंजूरी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंफोसिस ने गुरुवार को बीएसई को दी गई सूचना में बताया कि ईएसओपी 2 मई, 2025 से प्रदान किए जाएंगे और आरएसयू की संख्या की गणना 2 मई, 2025 को कारोबार बंद होने के समय के बाजार मूल्य के आधार पर की जाएगी। कंपनी ने इस दौरान चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 25 का स्कोरकार्ड जारी किया। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस के बोर्ड ने सीईओ और एमडी सलिल पारेख को 51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का स्टॉक प्रोत्साहन या कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) देने को मंजूरी दे दी है।ये स्टॉक प्रोत्साहन ईएसजी और इक्विटी सहित विभिन्न मदों के तहत हैं, और इनकी कुल राशि 51 करोड़ रुपये से अधिक है। एक दस्तावेज में कंपनी ने कहा है कि बोर्ड ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों के आधार पर शेयरधारकों की मंजूरी के बाद पारेख के लिए इस वार्षिक अनुदान को मंजूरी दे दी है।कंपनी के अनुसार इस अनुदान में "प्रतिबंधित स्टॉक इकाइयों (आरएसयू) के रूप में वार्षिक प्रदर्शन-आधारित स्टॉक प्रोत्साहन (वार्षिक प्रदर्शन इक्विटी अनुदान) भी शामिल है।

आर्मी स्कूल, बिशप कॉनराड, डीपीएस व एयरफोर्स स्कूल की टीमें सेमीफाइनल में

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आर्मी स्कूल, बिशप कॉनराड, डीपीएस व एयरफोर्स स्कूल की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है। बरेली में श्रीराम मूर्ति मेमोरियल इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग, डीपीएस, चाइल्ड केयर बिशप कॉनराड और एयर फोर्स स्कूल ने जीत दर्जकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला मानस स्थली स्कूल और आर्मी पब्लिक स्कूल सीनियर विंग के बीच हुआ। आर्मी पब्लिक स्कूल की ओर से 11वें मिनट में आयुष शर्मा ने पहला गोल किया। 13वें मिनट में हर्षित ने, 17वें मिनट में आर्यन सिंह, 21वें, 35वें और 49वें मिनट में हर्षित ने लगातार गोल कर आर्मी पब्लिक स्कूल की टीम को अजेय बढ़त दिला दी। आर्मी पब्लिक स्कूल ने मानस स्थली स्कूल को 6-0 से मात दी। दूसरे मैच में आर्मी पब्लिक स्कूल जूनियर विंग और डीपीएस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।

दो और स्वतंत्र निदेशकों का इस्तीफा

सह-संस्थापकों के खिलाफ सेबी की कार्रवाई शुरू होने के बाद फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के दो स्वतंत्र निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक और उनके भाई के खिलाफ सेबी की कार्रवाई के बाद कंपनी से अब तक तीन लोग बाहर हो चुके हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग के दो स्वतंत्र निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी के संस्थापक और उनके भाई के खिलाफ सेबी की कार्रवाई के बाद कंपनी से अब तक तीन लोग बाहर हो चुके हैं। नियामकों ने कंपनी के सह-संस्थापकों पर धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन

से जुड़ी अपनी एक सहयोगी कंपनी के लिए निर्धारित धन का इस्तेमाल एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदने के लिए किया।भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इस सप्ताह अनमोल जग्गी और उनके भाई पुनीत को शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। सेबी ने सौर ऊर्जा कंपनी जेनसोल की फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया, जिसने ब्लूस्मार्ट के लिए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे थे।ब्लूस्मार्ट एक टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी है जिसे ऊबर का प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। इसकी सह-स्थापना अनमोल ने की थी, जो जेनसोल के प्रबंध निदेशक भी हैं। जेनसोल ने गुरुवार को कहा, "हर्ष सिंह और कुलजीत सिंह पोपली ने तत्काल प्रभाव से स्वतंत्र निदेशकों के पद से इस्तीफा दे दिया है।" इससे पहले कंपनी के एक अन्य स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने भी इस्तीफा दे दिया था।" पोपली ने अपने त्यागपत्र में कहा, "...जिस तरह से चीजें सामने आई हैं और प्रकाश में आई हैं, मैं स्वतंत्र निदेशक के रूप में बने रहने की स्थिति में नहीं हूं।" पोपली ने कहा, "मुझे उम्मीद थी कि कंपनी जो इतनी तेजी से बढ़ी है और जिसकी अच्छी प्रतिष्ठा और सद्भावना रही है, वह आगे भी बढ़ती रहेगी... और सामने आए गवर्नेंस संबंधी मुद्दों का समाधान किया जाएगा।

बांग्लादेश ने मांगा 4.3 अरब डॉलर का मुआवजा

'1971 के अत्याचारों के लिए सरेआम माफी मांगे पाकिस्तान'

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ हाल ही में विदेश सचिव स्तर की बातचीत में 1971 के मुद्दे को उठाया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान से 1971 में हुए अत्याचारों को लेकर सार्वजनिक माफी की मांग की।बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच 15 साल बाद विदेश सचिव स्तर की बैठक हुई, जिसमें बांग्लादेश ने कई पुराने और संवेदनशील मुद्दे उठाए। साथ ही दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 में हुए अत्याचारों को लेकर सार्वजनिक माफी की मांग की। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस बातचीत में दोनों देशों के बीच अब भी कई मुद्दे अनसुलझे हैं। खासतौर पर 1971 में पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए अत्याचारों का जिक्र करते हुए बांग्लादेश ने कहा कि इन घटनाओं के लिए पाकिस्तान

को आधिकारिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।मामले में बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीम उद्दीन ने बताया कि पाकिस्तान के साथ अच्छे और स्थायी रिश्ते बनाने के लिए पुराने मामलों का हल जरूरी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश ने 4.32 अरब डॉलर के अपने वित्तीय दावे के साथ-साथ अन्य मुद्दों को भी सामने रखा। इसमें 1971 के युद्ध के दौरान बांग्लादेश छोड़ने में असमर्थ 'फंसे हुए पाकिस्तानियों' की वापसी और 1970 के चक्रवात में मिली विदेशी मदद के पैसे की बात भी शामिल थी।वहीं इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी इन मुद्दों पर बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई है, हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है। पाकिस्तान की विदेश सचिव अमना बलूच इस वार्ता में शामिल थीं।बता दें कि पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार इस महीने के अंत में बांग्लादेश दौरे पर आने वाले हैं। यह 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री की पहली आधिकारिक यात्रा होगी।बांग्लादेश का मानना है कि अगर पाकिस्तान इन मुद्दों पर गंभीरता से बात करे, तो दोनों देशों के रिश्ते एक नए और बेहतर रास्ते पर बढ़ सकते हैं।गौरतलब है कि 1971 में बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बना था। उस समय पाकिस्तान की सेना पर लाखों लोगों की हत्या और महिलाओं के साथ अत्याचार जैसे गंभीर आरोप लगे थे। बांग्लादेश अब भी इन मुद्दों को भूल नहीं पाया है और समय-समय पर माफी की मांग करता रहा है।

'कीव में भारतीय गोदाम पर रूसी सेना का हमला नहीं'; यूक्रेन के आरोप खारिज कर बोला रूस

एजेंसी

नई दिल्ली। कीव में भारतीय गोदाम पर रूसी सेना ने हमला नहीं किया। यूक्रेन के आरोप खारिज कर रूस ने यह दावा किया है।इससे पहले बीते 12 अप्रैल को यूक्रेनी दूतावास ने कहा था कि रूस की ओर से दागी गई एक मिसाइल ने भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम को निशाना बनाया। दूतावास ने कहा कि भारतीय व्यापारिक हितों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के लिए हमला किया गया है। नई दिल्ली स्थित यूक्रेनी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि मॉस्को जानबूझकर भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है और बच्चों व बुजुर्गों के लिए बनी दवाओं को नष्ट कर रहा है। दूतावास ने कहा, आज रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में भारतीय दवा कंपनी कुसुम फार्मा के गोदाम पर हमला किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यूक्रेनी दूतावास ने कहा, रूस भारत के साथ विशेष मित्रता का दावा करता है, लेकिन भारतीय व्यवसायों को निशाना बना रहा है।

अमेरिकी पूर्व सैनिक ने बेलीज में किया विमान हाईजैक

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी पूर्व सैनिक ने कोरोजल से सैन पेड्रो जा रहे एक छोटे यात्री विमान को हाईजैक कर लिया। उसने विमान में सवाल चालक दल के दो सदस्यों और एक यात्री पर चाकू से हमला किया। हमले में तीनों घायल हो गए। हालांकि, विमान की सुरक्षित लैंडिंग से पहले विमान में सवार एक यात्री ने उसे गोली मार दी।

अमेरिका के पूर्व सैनिक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को बेलीज में एक छोटे यात्री विमान को हाईजैक कर लिया। हालांकि, विमान की सुरक्षित लैंडिंग से पहले एक यात्री ने उसे गोली मार दी। बेलीज और अमेरिका के अधिकारियों ने विमान हाईजैक किए जाने की पुष्टि की। ट्रिपोक एयर विमान में 14 यात्री और दो चालक दल के सदस्य सवार थे। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के बाद बेलीज में पुलिस ने अपहरणकर्ता की पहचान अकिनीला टेलर के रूप में की। बेलीज के पुलिस आयुक्त चेस्टर विलियम्स ने कहा कि टेलर ने चाकू से विमान में सवार दो यात्रियों और एक पायलट पर हमला किया, जिससे तीनों घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। एक यात्री की हालत गंभीर है। उसके पीठ और फेफड़ों में चाकू लगा है। पुलिस प्रमुख ने कहा, 'हम उसके लिए दुआ कर रहे हैं, वह हमारा हीरो है।' पुलिस आयुक्त विलियम्स ने बताया कि विमान के सुरक्षित उतरने से पहले एक यात्री ने टेलर को गोली मार दी। उसके पास लाइसेंसी बंदूक थी। हालांकि, बाद में यात्री ने बंदूक को पुलिस को सौंप दिया। विलियम्स के अनुसार, टेलर देश से बाहर जाना चाहता था, इसके लिए वह विमान में और ईंधन की मांग कर रहा था। बेलीज में अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ल्यूक मार्टिन ने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों को घटना का मकसद नहीं पता है। हालांकि, वह बेलिजियन अधिकारियों के साथ मिलकर यह जांच कर रहे हैं कि आखिर क्या हुआ था। बेलीज एयरपोर्ट कंसेशन कंपनी के अनुसार, विमान कोरोजल से सैन पेड्रो जा रहा था। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 8.30 बजे अपहरण विमान के अपहरण के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद बेलीज अधिकारियों ने पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया। कई घंटों तक विमान अलग-अलग दिशाओं में तब तक चक्कर लगाता रहा, जब तक कि वह तटीय शहर लेडीविले के एक हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर नहीं गया।

पंजाब में 14 धमाकों का मास्टरमाइंड आतंकी हरप्रीत सिंह अमेरिका में गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका में रहने वाले आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया है। एफबीआई और अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग ने उसे

अपने शिकंजे में ले लिया है। वह पिछले छह महीनों में पंजाब में 14 आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार है। आतंकी भारत के सबसे वांछित आतंकियों में से एक है। उस पर 5 लाख रुपये का इनाम था। वह अभी आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट) की हिरासत में है। सूत्रों के मुताबिक, हैप्पी पासिया ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर आतंकी हमलों को अंजाम दिया। हैप्पी पासिया ने पंजाब के पुलिस प्रतिष्ठानों पर कई आतंकी हमले किए और सोशल मीडिया पर उनकी जिम्मेदारी ली।इससे पहले 23 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) आतंकवादी संगठन के चार आतंकवादी गुर्गों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। आरोप पत्र दायर करने वाले आरोपियों में पाकिस्तान स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया शामिल हैं। दोनों आतंकवादी हमले के पीछे मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए चंडीगढ़ में भारत स्थित जमीनी गुर्गों को रसद सहायता, आतंकी फंड, हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 के हमले का मकसद पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाना था।जांच से पता चला कि रिंदा ने हैप्पी पासिया के साथ मिलकर ग्रेनेड हमले के जरिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों और आम जनता के बीच आतंक फैलाने की साजिश रची थी। उसका मकसद बीकेआई के आतंकवादी एजेंडे को बढ़ावा देना था। उन्होंने रोहन मसीह और विशाल मसीह नाम के स्थानीय गुर्गों की भर्ती की, जिन्हें उनके सीधे निदेशों के तहत हमला करने का काम सौंपा गया था। जांच में पता चला कि रिंदा और हैप्पी ने अन्य आरोपियों रोहन मसीह और विशाल मसीह को ग्रेनेड फेंकने से पहले दो बार लक्ष्य की टोह लेने का निर्देश दिया था।

इससे पहले पिछले साल दिसंबर में पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीके आई) की ओर संचालित पाकिस्तान-आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल को ध्वस्त कर दिया था, जिसे हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया और शमशेर उर्फ हनी चला रहे थे।

म्यांमार नहीं थम रहे भूकंप के झटके, आज 3.9 तीव्रता से कांपी धरती

एजेंसी

नई दिल्ली। म्यांमार के 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप के बाद से लगातार धरती कांप रही है। आए दिन ही यहां भूकंप के झटके लग रहे हैं। यह ऐसे समय हो रहा है, जब देश 20 दिन पहले मध्य क्षेत्र में आए 7.7 तीव्रता के बड़े भूकंप की तबाही से जूझ रहा है। आज भी राहत व बचाव कार्य जारी है। लापता लोगों की तलाश जारी है। कई जगह मलबा फैला हुआ है।म्यांमार में लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं। आज यानी शुक्रवार को भी भूकंप का हल्का झटका लगा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के एक बयान में बताया कि म्यांमार में 3.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई में आया। इसे आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील श्रेणी में रखा गया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में एनसीएस ने कहा, 'रिक्टर पैमाने पर तीव्रताः 3.9, दिनांकः 18 अप्रैल 2025, समयः 02:57:43 आईएसटी, गहराईः 10 किमी, स्थानः म्यांमार।' इस बीच चिली में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए।

अपने ही घर में घिरे डोनाल्ड ट्रंप, टैरिफ के खिलाफ कैलिफोर्निया ने किया केस

एजेंसी

नई दिल्ली। कैलिफोर्निया सरकार ने संघीय अदालत में ट्रंप के खिलाफ सान फ्रांसिस्को की कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें गवर्नर न्यूसम ने कहा, ट्रंप के टैरिफ से न सिर्फ कैलिफोर्निया, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी क्षति पहुंची है। इससे कारोबार पर बुरा असर पड़ा है।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विदेशी आयात पर लगाए गए व्यापक टैरिफ के खिलाफ अमेरिका में कैलिफोर्निया ऐसा पहला राज्य बन गया है जिसने कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है। कैलिफोर्निया सरकार ने संघीय अदालत में ट्रंप के खिलाफ सान फ्रांसिस्को की कोर्ट में याचिका दायर की।

व्हाइट हाउस का हेड स्टार्ट फंडिंग समाप्त करने का प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हेड स्टार्ट के लिए फंडिंग को समाप्त करने के लिए प्रस्ताव दिया है। इस प्रोग्राम उद्देश्य देश के पांच लाख से अधिक जरूरतमंद बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और उनके परिवारों के लिए बाल देखभाल करना है। इसकी देखरेख स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग द्वारा की जाती है। अगर, ट्रंप प्रशासन की यह योजना लागू होती है, तो इससे करीब पांच लाख बच्चों और उनके परिवारों पर असर पड़ेगा। यह प्रस्ताव 64 पेज के आंतरिक मसौदा बजट दस्तावेज में शामिल है, जो स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग की फंडिंग में भारी कटौती की मांग करता है। हालांकि, अभी यह योजना अपने प्रारंभिक चरण में है, क्योंकि व्हाइट हाउस वित्तीय वर्ष 2026 के लिए कांग्रेस को अपना बजट अनुरोध भेजने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित कटौती को सांसद स्वीकार करेंगे या नहीं, क्योंकि कांग्रेस अक्सर राष्ट्रपति के बजट प्रस्तावों को मंजूरी नहीं देती है। हालांकि, इस प्रस्ताव से ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं का पता चलता है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिका में शिक्षा को पूरी तरह से बदलना चाहते हैं। मसौदा दस्तावेज में कहा गया है कि 'बजट हेट स्टार्ट को पैसा नहीं देगा।' हेट स्टार्ट को समाप्त करने के पीछे ट्रंप प्रशासन ने तर्क दिया है कि शिक्षा का नियंत्रण राज्यों को वापस सौंपना और माता-पिता के नियंत्रण को बढ़ाने के लक्ष्यों के अनुरूप है।

बीबीएयू का 29वां स्थापना दिवस 14 अप्रैल को, सीएम योगी होंगे शामिल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय

विश्वविद्यालय (बीबीएयू) का 29 वां स्थापना दिवस बाबा साहब की जयंती के दिन यानी 14 अप्रैल को मनाया जाएगा। स्थापना दिवस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। इस दौरान 10 एलुमनाई का सम्मानित किया जाएगा। साथ ही कई अन्य मेधावी स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स को भी सम्मानित किया जाएगा। ये कहना हैं, बीबीएयू ने नवनियुक्त कुलपति प्रो.राजकुमार मित्तल का। शुक्रवार को विश्वविद्यालय कैंपस स्थापना दिवस कार्यक्रम से पूर्व प्रेस वार्ता में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि इस बार 15 दिनों तक आंबेडकर जयंती का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सबसे खास बात ये हैं कि इस आयोजन में अलग-अलग क्षेत्र के कई दिग्गज शामिल होंगे। प्रो.मित्तल ने बताया कि 14 अप्रैल को सुबह भीम-वॉक का आयोजन किया जाएगा। इससे एक दिन पहले यानी 13 अप्रैल को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों, स्टूडेंट्स समेत सभी के लिए विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में भीम नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा डिबेट, स्लोगन मेकिंग और पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन भी होंगे। डॉ.आंबेडकर एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका विषय पर डिबेट, राष्ट्र निर्माण में डॉ. भीमराव आंबेडकर का योगदान विषय पर पोस्टर मेकिंग, और डॉ. बाबासाहब भीमराव रामजी आंबेडकरः सामाजिक न्याय के एक वास्तुकार विषय पर स्लोगन मेकिंग कम्पटीशन का आयोजन किया जाएगा।

डेविड मिलर बोले होम कंडीशन समझ रहे, गुजरात और चेन्नई के खिलाफ बड़ा मैच

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बल्लेबाज डेविड मिलर ने शुक्रवार को इकाना स्टेडियम में

प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने लखनऊ के पिच पर स्लो वेन्यू होने पर कहा कि यह मेरा पहला सीजन एलएसजी के साथ में है। विकेट बेटर है। दो तरह की विकेट यहां पर है काली मिट्टी और लाल मिट्टी। एक पिच पर बॉल अच्छी तरह से आती है। दूसरे पर अधिक बाउंस होने के साथ में बॉल रुक रुक कर आती है।

यहां पर बड़ी बाउंड्री है। चैके छक्के के बीच में 1 और 2 रन भी महत्वपूर्ण है। कल के मैच में कंडीशन के हिसाब से निर्णय लिए जाएंगे। परफॉर्मेंस के सुधरने पर कहा कि आईपीएल में सभी टीम डिफिकल्ट टीम हैं। अंडर प्रेशर गेम में अच्छी बॉलिंग और बैटिंग कर के टीम जीती है। 200 से अधिक हाईस्कोरिंग गेम पर डेविड मिलर ने कहा कि खिलाड़ियों के माइंडसेट बड़े स्कोर करने का होता है। बॉलर्स के लिए भी इस दौरान बड़े मौके विकेट लेने के होते हैं। इकाना के होम ग्राउंड पर दो मैच में एक में हार और दूसरे में जीत पर कहा कि होम ग्राउंड पर हम प्रैक्टिस कर रहे। वार्म अप कर रहे। हम कंडीशन को समझ रहे। मुझे विश्वास है कि हमारी स्क्वाड बहुत मजबूत है, हम टूनार्मेंट को अच्छे से खत्म करेंगे। गुजरात टाइटंस और 14 अप्रैल को चेन्नई से होने वाला मैच बड़े मैच है। आईपीएल बड़ा टूनार्मेंट है। चेजिंग पर कहा कि आपको पता होना चाहिए कि रन रेट क्या है किस तरह से खेलना है। कंडीशन मैच में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमें एक ऐसे टोटल बनाना होना होता है तो कॉम्पटेटिव होता है। हमें अपने विकेट आसानी से नहीं गिराना चाहिए।

बाजपेयी कचैड़ी पर जीएसटी का छापा, टीम ने पकड़ी टैक्स चोरी

लखनऊ (संवाददाता)। हजरतगंज की मशहूर बाजपेयी कचैड़ी पर जीएसटी का छापा पड़ा है। जीएसटी की टीम ने पिछले पांच साल का हिसाब मांगा, जिसका डेटा से मिलान किया। मिलान में टीम को बड़ी गड़बड़ी मिली है। बताया जाता है कि जितने की बिक्री हुई, उसका पूरा जीएसटी भुगतान नहीं किया गया। शुक्रवार को दोपहर 12.30 बजे जीएसटी टीम ने अचानक पहुंचकर दुकान मालिक से पूछताछ की और बयान दर्ज किया। फिलहाल, टीम ने दुकान की मशीनें और रजिस्टर जब्त कर लिए हैं। जीएसटी के 5-6 अधिकारी बैठकर हिसाब का मिलान कर रहे हैं। छापेमारी के दौरान दुकान के बाहर सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती की गई है। हालांकि, दुकान में कचैड़ी की बिक्री भी चल रही है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया दुकान मालिक का बयान दर्ज कर लिया गया है। सभी वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट बनाई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही पता चल पाएगा कि एक्चुअल कितने टैक्स की चोरी की गई है।

महिला संगठनों का बनारस रेप घटना के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को बनारस की रेप घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन। महिला

संगठनों, सामाजिक संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं ने हजरतगंज स्थित परिवर्तन पर नारेबाजी किया। हाथों में तख्तियां लेकर पहुंची महिलाओं ने कहा कि बनारस समेत पूरे प्रदेश में महिला अपराध बढ़ रहा है। सरकार से ज्यादा कोर्ट ने मायूस किया है। प्रदर्शन में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रोफेसर रेखा वर्मा ने कहा कि महिलाओं के प्रति अपराध दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है। अपराध के साथ जो न्यायालय के द्वारा टिप्पणी की जा रही है और फैसले दिए जा रहे हैं वह बेहद चैंकाने वाले हैं। हम सभी लोगों मजबूर होकर सड़क पर उतरे हैं। प्रोफेसर रूपरेखा वर्मा ने कहा कि रेप आरोपी को जमानत देते हुए जो कोर्ट के जज ने वक्तव्य दिया वह बेहद शर्मनाक है। तमाम सारी घटनाओं को लेकर हमलोग नाराजगी जता रहे हैं। देश में अमृत काल चल रहा है। राम रहीम, आसाराम बापू जो बलात्कारी सिद्ध हो चुके हैं। ये लोग बलात्कारी और हत्यारे हैं इन्हें बार-बार रिलीफ मिल रहा है। यह लोग जाकर भाजपा का प्रचार करते हैं। ये बलात्कारी कुछ दिन जेल में रहते हैं तो 15 दिन बाहर रहते हैं। जब इस प्रकार के मामले सामने आते हैं तो हमको लगता है कि सरकार गंदा काम कर रही है मगर अदालत से न्याय मिलेगा। मगर वहां भी मायूसी होती है। रूपरेखा वर्मा ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट से कितना शर्मनाक बयान आया है कि रेप की तैयारी थी रेप की कोशिश नहीं। कल जो फैसला आया है उसमें कोर्ट क्या कह रहा है की लड़की ने खुद गलती किया। कल को यह कहा जाएगा की लड़की घर से बाहर निकली इसलिए रेप हुआ। जब हमारे इंसाफ करने वाले इस तरह कह रहे हैं तो हम किसकी तरफ देखें। रूपरेखा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि भाजपा के तमाम मेंबर पकड़े गए हैं रेप के चार्ज में। बीएचयू का उदाहरण आपके सामने है। हमको लगता था कि हम विरोध करेंगे तो उसका असर होगा।

संक्षिप्त सामाचार

ज्योति बाई फुले की जयंती पर समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने किया माल्यार्पण

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण और भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष संजय गौड़ मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत ज्योति बाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने इस मौके पर कहा कि ज्योति बाई फुले और उनकी पत्नी ने सामाजिक भेदभाव के खिलाफ ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने न केवल जाति व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाई, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा के क्षेत्र में भी अहम योगदान दिया। असीम अरुण ने बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ज्योतिबा फुले को अपना गुरु और प्रेरणा स्रोत मानते थे। मंत्री ने आगे कहा, करीब 200 साल पहले जब समाज में महिलाओं के साथ अत्यधिक भेदभाव होता था और विधवाओं की पुनर्विवाह की अनुमति नहीं थी, उस समय ज्योतिबा फुले ने शिक्षा को परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम माना और इसके लिए संघर्ष किया। हर साल 11 अप्रैल को देशभर में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई जाती है। वे 19वीं सदी के महान विचारक और समाज सुधारक थे, जिन्होंने अतिशूद्रों और महिलाओं के लिए शिक्षा के दरवाजे खोले और सत्यशोधक समाज की स्थापना कर सामाजिक क्रांति की मशाल जलाई थी। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय के प्रति फुले जी के योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

नगर निगम में समाधान दिवस में शिकायत कर्ता बोले सीएम से की शिकायत तो निगम के अधिकारियों ने लगा दी झूठी रिपोर्ट

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम के मुख्यालय में शुक्रवार को समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान शहर के लोग सड़क, नाली, साफ सफाई, अतिक्रमण, पानी और मार्ग प्रकाश सहित कई शिकायत लेकर पहुंचे। शिकायत सुनने के लिए अधिकारियों के साथ मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे। जोन 6 से शिकायत लेकर पहुंचे रूप नारायण तिवारी ने कहा नगर निगम के अधिकारियों ने गलत टैक्स लगा दिया है। इस वजह से 25 हजार रुपए अधिक पैसा जमा करना पड़ रहा है। रूप नारायण तिवारी ने बताया समस्या अभी तक पूरी हल नहीं हुई है। मुख्यमंत्री के यहां मामले की शिकायत की तो अधिकारियों ने गलत रिपोर्ट लगा दी। 2012 में अधिक टैक्स लगा दिया गया। 2018 में छूट आई तो सब जमा कर दिया, लेकिन इसमें अधिक टैक्स जमा कर दिया। इसके बाद टैक्स संशोधन कर दिया गया है। करीब 25 हजार रुपए अधिक टैक्स जमा किया है। वह वापस मिलना चाहिए। अनिल कुमार चटर्जी ने कहा जोन 2 लोकमानगंज में हमारा लाज है। अभी तक 10,270 रुपए हाउस टैक्स जमा करते थे, इस बार 7 लाख 10 हजार से अधिक टैक्स आया है। शिकायत के बाद जोन 2 के अधिकारी मौके पर पहुंचे। तीन लाख 98 हजार रुपए टैक्स निर्धारित किया गया। 2014 से टैक्स बकाया है। अनिल ने कहा 2015 में मकान का मूल्यांकन 2 लाख 70 हजार रुपए कर दिया गया। विरोध के बाद नगर आयुक्त ने जांच बैठाई। इसमें टैक्स 10 हजार 270 रुपए कर दिया गया। तब से यही टैक्स जमा करते आ रहे। अनिल की शिकायत पर मेयर और नगर आयुक्त ने जांच कराने का आश्वासन दिया है। विजय नगर खरगापुर में छोटे बच्चों का स्कूल चलाने वाली श्वेता आर्या ने बताया कि छोटे बच्चे स्कूल आते हैं,लेकिन रास्ते की हालत खराब है। गड्ढों में पानी भरा जा रहा है।

यूपी को निवेश का हब बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को किया जाएगा और मजबूत

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इंवेस्ट यूपी प्रदेश को निवेश का हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके तहत फरवरी 2023 में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में रिकार्ड 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश उत्तर प्रदेश में हुआ। सीएम योगी के वन ट्रिलियन डालर इकॉनमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इंवेस्ट यूपी की पुनर्संरचना की जा रही है। इस दिशा क्रम में सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में इंवेस्ट यूपी के निवेश मित्र, सिंगल विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया। ताकि प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को आसानी से क्लियरेंस मिल सके और अधिक से अधिक एमओयू को धरातल पर उतारा जा सके। इंवेस्ट यूपी को और अधिक प्रभावशाली बनाने और प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश को आकर्षित करने के लिये निवेश मित्र, सिंगल विंड़ो ऑपरेटिंग सिस्टम की सभी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दिशा में सीएम योगी के निदेशों के मुताबिक सिंगल विंडो अधिनियम 2024 को प्रभावी तौर पर लागू किया जा रहा है। साथ ही इस माह से ही सिस्टम एग्रीगेटर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ताकि अलग-अलग विभागों के डेटा का एकत्रिकरण कर उनका एक ही स्थान पर निराकरण किया जा सके। साथ ही सूचना और सुविधा प्रदान करने के लिए टर्नराउंड समय को कम किया जा सके।

सीएम योगी की मॉनीटरिंग से तेजी से निस्तारित हो रहे राजस्व संबंधी वाद

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त मॉनीटरिंग और दूरदर्शी सोच से प्रदेश में दर्ज होने वाले राजस्व संबंधी मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है जबकि इन मामलों के निपटारे में उल्लेखनीय प्रगति देखी गयी है। इससे जहां एक ओर प्रदेश के अन्नदाताओं को त्वरित न्याय और राहत मिल रही है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ी है। प्रदेश में राजस्व संबंधी मामलों के निस्तारण में यही रफ्तार रही, तो प्रदेश के अन्नदाताओं समेत आमजन बड़ी राहत मिलेगी और उत्तर प्रदेश सशक्त प्रदेश बनकर उभरेगा।

गोरखपुर में महंगाई, बेरोजगारी और किसान संकट पर इंजीनियर संतोष मिश्र का तीखा वार

गोरखपुर। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी ने आम जनजीवन को बेहाल कर दिया है। नौजवान विदेशों में जाकर मुश्किल हालातों में जीने को मजबूर हैं, तो वहीं किसान अपनी फसलों को या तो आपदा की मार से या फिर बिचौलियों के शोषण से बचा नहीं पा रहा है।

इन्हीं मुद्दों को लेकर कांग्रेस कमेटी में हाल ही में शामिल हुए इंजीनियर संतोष कुमार मिश्र ने गोरखपुर प्रथम आगमन पर ब्लैक हार्स रेस्टोरेंट में पत्रकारों से बातचीत में राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसानों की आमदनी दो गुना करने का वादा तो दूर, एम.एस. स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को भी सरकार लागू नहीं कर सकी है। इंजीनियर मिश्र ने कहा कि विपक्ष की भूमिका जनता के हक की आवाज उठाने की होती है, और कांग्रेस पार्टी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभा रही है। संसद और राज्यसभा में वक्फ बिल का विरोध हो या नफरत की राजनीति के खिलाफ खड़े होना—कांग्रेस मोहब्बत की दुकान खोलने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में आम जनता के हितों की लड़ाई लड़ी जा रही है और कांग्रेस की ओर जनता का रुझान तेजी से बढ़ रहा है।

मेरा कार्यालय ही मेरा प्रतिनिधि है : सांसद रवि किशन शुक्ला

गोरखपुर। गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रवि किशन शुक्ला ने रविवार को एक महत्वपूर्ण बयान जारी कर जनता को स्पष्ट संदेश दिया कि वर्तमान में उनका कोई व्यक्तिगत प्रतिनिधि अथवा सांसद सहयोगी नियुक्त नहीं है। उन्होंने कहा, ह्लमेरा कार्यालय ही मेरा प्रतिनिधि है। लोकसभा क्षेत्र के भीतर या बाहर कोई भी व्यक्ति न तो मेरा प्रतिनिधि है और न ही अधिकृत सहयोगी। इस संबंध में किसी प्रकार का भ्रम न रखें ह्व सांसद ने बताया कि पूर्व में मंडलवार और विधानसभा स्तर पर जो प्रतिनिधि नियुक्त थे, उन्हें लगभग एक वर्ष पूर्व ही भंग कर दिया गया है। तब से अब तक किसी को भी पुनः प्रतिनिधि या सहयोगी के रूप में अधिकृत नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी नागरिक, समर्थक या कार्यकर्ता को कोई सुझाव, शिकायत या कार्य संबंधी जानकारी देनी हो, तो वह सीधे तारामंडल क्षेत्र स्थित उनके आधिकारिक सांसद कार्यालय अथवा आवास पर संपर्क कर सकता है। सांसद कार्यालय ही सभी जनसंपर्क, कार्य समन्वय और समस्याओं के समाधान के लिए अधिकृत माध्यम है। रवि किशन शुक्ला ने यह भी कहा कि पारदर्शी और उत्तरदायी जनसेवा के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है, ताकि जनता से सीधा संवाद बना रहे और प्रतिनिधित्व के नाम पर कोई गलतफहमी या दुरुपयोग न हो।

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान में गोरखपुर में संगोष्ठी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया संबोधित

गोरखपुर। भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत शुक्रवार को गोरखपुर में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबा साहब ने भारत को ऐसा संविधान दिया, जिसने विविधता से भरे इस देश को एकता के सूत्र में बांधा। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल नागरिकों को समानता और सम्मान प्रदान करता है, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को सशक्त करता है। मुख्यमंत्री ने बाबा साहब के विचारों को आज भी प्रासंगिक बताते हुए युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन सामाजिक न्याय, समरसता और समान अवसरों का प्रतीक है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों और छात्रों ने भाग लिया। अंत में बाबा साहब की पावन स्मृतियों को नमन करते हुए उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

उ० प्र० के मुख्यमंत्री मा० योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गोरखपुर में 1,498 करोड़ की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया

गोरखपुर 19 /अप्रैल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गोरखपुर में 1,498 करोड़ की 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/ शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। यह नए भारत का नया यू ०पी० है, जो वन डिस्टिक वन, प्रोडक्ट,वन मेडिकल कॉलेज पर कार्य करता है।

SI न्यूज का लोकल न्यूज चैनलों के साथ साझेदारी की ओर बड़ा कदम

स्वदेशी इन्क्रेडिबल न्यूज (SI News) ने प्रदेश भर के लोकल न्यूज चैनलों के साथ मिलकर एक साझा मंच पर काम करने की मंशा जाहिर की है। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय पत्रकारिता को एकजुट करना, सच्ची खबरों को अधिक व्यापक स्तर पर पहुंचाना और स्वतंत्र मीडिया को और सशक्त बनाना है।

रकन्यूज के संपादक ने कहा:

> हम प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि साथी हैं। यह वक्त है कि हम संसाधनों, कवरेज और अनुभवों को साझा करके जनता तक जमीनी हकीकत पहुँचाएं। हमारी साझेदारी न सिर्फ पत्रकारों को एक बड़ा मंच देगी, बल्कि खबरों की विश्वसनीयता और पहुंच को भी नई ऊंचाई देगी।

यह सहयोग निम्न बिंदुओं पर केंद्रित रहेगा:

स्थानीय खबरों को राज्य/राष्ट्रीय मंच पर लाना
कवरेज व संसाधनों में सहयोग
पत्रकारों को प्रशिक्षण, पहचान व सम्मान प्रदान करना
स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देना

रकन्यूज की यह पहल पूरे मीडिया जगत के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जिसमें छोटे-बड़े सभी न्यूज चैनल एक साथ मिलकर जनहित

भोजपुरी सुपरस्टार और गोरखपुर सांसद रवि किशन से विशेष भेंटवार्ता फिल्मों से लेकर संसद तक:जनसेवा के प्रति अटूट संकल्प की कहानी

गोरखपुर। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के चमकते सितारे और गोरखपुर से लोकसभा सांसद श्री रवि किशन से आज एस आई न्यूज की विशेष भेंटवार्ता हुई। इस खास बातचीत में उन्होंने न सिर्फ अपने फिल्मी सफर की झलकियां साझा कीं, बल्कि राजनीति में अपने अनुभव और युवा पीढ़ी के प्रति अपनी सोच को भी स्पष्ट रूप से रखा। रवि किशन ने कहा कि वह अभिनय को एक सशक्त माध्यम मानते हैं, जिससे समाज को जागरूक किया जा सकता है। लेकिन अब उनकी प्राथमिकता जनसेवा है, जिसके माध्यम से वह देश और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि राजनीति में आने का उद्देश्य सिर्फ पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना और उनकी समस्याओं का समाधान खोजना है। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने युवाओं को लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने, आत्मनिर्भर बनने और देश निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा भी दी।

गोरखपुर में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में जुटे रद ट्रैफिक संजय कुमार, शहर को जाम मुक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास

गोरखपुर। शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित और सुचारु बनाने के लिए SP ट्रैफिक संजय कुमार लगातार एक्शन मोड में हैं। शहर के

मुख्य चौराहों से लेकर व्यस्त बाजारों तक, ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है। SP ट्रैफिक संजय कुमार ने स्पष्ट किया कि शहर में बढ़ते ट्रैफिक और अव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था को सुधारना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए जागरूकता अभियान, चालान की कार्रवाई और ट्रैफिक वॉलंटियर्स की तैनाती जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सहयोग के बिना कोई भी व्यवस्था कारगर नहीं हो सकती। इसलिए आमजन से अपील की गई है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सड़क पर अनुशासन बनाए रखें। संजय कुमार ने यह भी बताया कि CCTV निगरानी के माध्यम से ट्रैफिक नियंत्रण और नियमों के उल्लंघन पर नजर रखी जा रही है। भविष्य में गोरखपुर को जाम मुक्त और सुरक्षित यातायात वाला शहर बनाने की दिशा में पुलिस विभाग पूरी गंभीरता से जुटा है।

सूचना विभाग गोरखपुर की सक्रियता से बढ़ रही है योजनाओं की पहुँच, सहायक निदेशक प्रशांत श्रीवास्तव की पहल सराहनीय

- शासन की योजनाओं और नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने में सूचना विभाग निभा रहा अहम भूमिका

गोरखपुर। जिले में सरकार की योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में सूचना विभाग गोरखपुर की भूमिका लगातार सशक्त हो रही है। सहायक निदेशक सूचना श्री प्रशांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में विभाग न सिर्फ जनसंपर्क को मजबूत कर रहा है, बल्कि डिजिटल और ग्राउंड दोनों स्तरों पर जनजागरूकता अभियान भी चला रहा है। श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान समय में सूचना का प्रभावी संप्रेषण ही लोकतंत्र की ताकत है। सरकार की योजनाएं तभी सफल होंगी जब जनता को उनकी पूरी जानकारी हो। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा प्रेस विज्ञप्तियां, डिजिटल प्रचार, सामाजिक मीडिया अभियान, तथा जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विभाग द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं पर आधारित फोटो प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक, एलईडी वैन और ऑडियो-विजुअल माध्यमों से भी सूचना प्रचार का कार्य किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ी है। सहायक निदेशक की पहल पर विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और रचनात्मकता बढ़ी है, जिससे जनता का भरोसा भी मजबूत हुआ है। गोरखपुर सूचना विभाग आज जनसंचार का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है, जिसमें प्रशांत श्रीवास्तव की नेतृत्व क्षमता का अहम योगदान माना जा रहा है।

"आइसना" का प्रतिनिधिमंडल सीएम योगी से मिला, सौंपा मांग पत्र

गोरखपुर। ऑल इंडिया स्माल न्यूज पेपर्स ऐसोसिएशन (आइसना) गोरखपुर का 6 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल श्री उमेश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री जी से मिलकर लघु समाचार-पत्रों की समस्याओं के बारे में उन्हे अवगत कराया । लघु समाचार-पत्रों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी को एक तीन सूत्रिय मांग पत्र भी सौंपा । जिसमें संगठन ने मांग किया है कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश, (UPID) लखनऊ द्वारा लघु समाचार पत्रों (साप्ताहिक एवं दैनिक) को प्रति माह कम से कम फुल पेज का दो विज्ञापन जारी कराने , सभी संपादकों का आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा 10 लाख रुपए तक का निःशुल्क बीमा कराने तथा लघु समाचार पत्रों के संपादकों का परिचय पत्र जो सूचना निदेशालय द्वारा जारी किया जाता रहा है, विगत कई वर्षों से जारी नहीं किया जा रहा है उसे पुनः जारी किया जाए। माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही अधिकारियों से बात कर लघु समाचार-पत्रों की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा । प्रतिनिधिमंडल में श्री उमेश चंद्र मिश्र , डॉ मुमताज खान , श्री लाल जी भ्रमर , श्री रवि प्रकाश त्रिपाठी , डॉ जवाहर लाल निगम एवं श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता शामिल रहे।

शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य को एस आई न्यूज द्वारा सम्मानित किया गया

सरस्वती शिशु मंदिर, पक्की बाग, गोरखपुर के प्रधानाचार्य श्री राजेश सिंह को

शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए एस आई न्यूज द्वारा सम्मान चिह्न प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें रविवार को आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कई प्रतिष्ठित शिक्षा विशेषज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह में प्रधानाचार्य श्री राजेश सिंह को एक स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। प्रधानाचार्य जी ने विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। उनके कुशल नेतृत्व और समर्पण के चलते सरस्वती शिशु मंदिर न केवल शैक्षणिक बल्कि नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के क्षेत्र में भी एक अनुकरणीय संस्थान बन चुका है। सम्मान प्राप्त करने के बाद उन्होंने अपने वक्तव्य में विद्यालय परिवार, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह सम्मान उनकी टीम की निरंतर मेहनत और सहयोग का परिणाम है।

Congress is closing down the shops of hatred and opening shops of love: Er. Santosh Kumar Mishra

Warm welcome with garlands by Congress workers on the arrival of Engr. Santosh Kumar Mishra in Gorakhpur after joining Congress““Congress will become stronger in Eastern Uttar Pradesh with the joining of Engr. Santosh Kumar Mishra: Ajmal““Gorakhpur: After leaving the Rashtriya Lok Dal (RLD), Engineer Santosh Kumar Mishra was warmly welcomed by Congress workers with garlands on his arrival in Gorakhpur. Addressing the "Meet the Press" program, Engr. Mishra said that he joined the Congress inspired by its policies. He stated that he would wholeheartedly fulfill the responsibilities entrusted to him by the state president of the Congress, Shri Ajay Rai.““Mishra pointed out that while the common public is bearing the brunt of rising inflation, the youth, troubled by unemployment, are being forced to go abroad by any means and live a life of hardship. Farmers, on the other hand, are suffering due to natural calamities, and even if they manage to escape those, they are trapped by middlemen. "The saying —A lamp for every home, now not even available for cities — has unfortunately become reality," he remarked.““He also criticized the central and state governments for failing to double farmers' income, despite forming the M.S. Swaminathan Commission on November 18, 2004. The recommendation for one-and-a-half times the cost of crops was not implemented, let alone doubling the income.““Mishra emphasized that the role of the opposition is crucial for public welfare, and it is their

duty to show the ruling party a mirror through struggle and nonviolent movements. Referring to the Congress party's opposition to the Waqf Bill in both Houses of Parliament, he said he was deeply moved by the party's stand, which he believes was in the national interest.““He further said that the Congress party has made an invaluable and commendable contribution in freeing the country from all forms of bondage. He promised to sincerely fulfill any responsibility given to him by the party.““Speaking on the current state of the nation, he said, "While hatred is being spread across the country, the Congress is constantly working to shut down shops of hate and open shops of love." He added that under the leadership of Sonia Gandhi, Rahul Gandhi, and Priyanka Gandhi, the party is fighting for the rights and welfare of the common people — and receiving overwhelming public support.““He noted that public inclination toward the Congress is increasing rapidly, and many are joining the party to strengthen it.““On this occasion, Hifzur Rahman Ajmal, District President of the Congress Minority Department, welcomed Engineer Mishra into the party and said that his inclusion will strengthen Congress in Eastern Uttar Pradesh. He affirmed that the Congress is the oldest and largest party in the country, and in the coming days, people will play a vital role in bringing it back to power.““Among those present during the welcome were Rajeev Kumar Singh, Balamukund Chaturvedi, Sanjay Kumar Mishra, Congress Youth District General Secretary Athar Jamal, and many others.

Former Karnataka DGP found dead at home with stab injuries, wife detained

Bangalore | KARNATAKA'S FORMER

Director General of Police (DGP) Om Prakash, 68, was found dead with multiple stab injuries at his residence in Bengaluru on Sunday, police said, adding that investigation is in progress. The former DGP's wife Pallavi was detained later in the evening and was being questioned, sources said.

No arrest has been made so far, police said.

Additional Commissioner of Police (West) Vikash Kumar Vikash told reporters that a sharp weapon was found near the former DGP's body. "We will ascertain later whether the same weapon or some other weapon was used for the murder," he said. The officer said police were informed about the incident at Prakash's HSR Layout residence around 4.30 pm. "A complaint was filed by his son. Based on this, an FIR will be registered and we will investigate the case accordingly," he said. According to sources, Prakash was with wife Pallavi and daughter when the incident took place. Following the murder, the wife and daughter locked themselves in a room before police arrived, they said. Vikash said, "There were three people (at the residence) when the incident happened. We are certain." Dismissing speculation surrounding the murder, including the possibility of a property dispute as the motive, the officer said the matter was still under investigation. Police will be able to share additional information once the site of crime is secured and post-mortem conducted, he said. A native of Bihar, Prakash was a 1981-cadre IPS officer who started his career as additional SP of Ballari district. Apart from serving in various districts as SP, he was with Lokayukta Police and served as DIG of the Criminal Investigation Department before assuming charge as DGP in 2015. He retired in 2017.

The other BJP leader who left party red-faced with remarks on judiciary: Who is Dinesh Sharma?

New Delhi | A former Deputy Chief Minister of Uttar Pradesh, ex-Mayor of Lucknow, prominent Brahmin face of the BJP, and Rajya Sabha MP, Dinesh Sharma left the party red-faced on Saturday with his remarks on the judiciary. "There is an apprehension among the public that when Dr B R Ambedkar wrote the Constitution, the rights of the Legislative and judiciary were clearly … According to the Constitution of India, no one can direct the Lok Sabha and Rajya Sabha and the President has already given her assent to it. No one can challenge the President, as the President is supreme…" Sharma said, forcing BJP president J P Nadda to distance the party from the remarks. Nadda also distanced the party from the remarks of BJP's Godda MP Nishikant Dubey. A professor of Commerce at the Lucknow University, Sharma has deep roots in the RSS and is seen to be an approachable leader. He forayed into politics with the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad, the RSS's student wing, and also served as its Lucknow Mahanagar president. Starting off at the grassroots in the BJP as a ward president, he rose up the ranks and also served as the state president of its youth wing, the Bharatiya Janata Yuva Morcha. In 2004, when former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee contested the Lok Sabha polls from Lucknow, Sharma served as the convenor of his election office and was a part of the election management committee. Sharma's big break in politics came in November 2006 when he was elected the Mayor of Lucknow, seen to be a stronghold of the BJP due to the significant presence of upper castes and Shia Muslims, who have voted for the party in Lucknow. In 2012, Sharma won the mayoral election again, this time by a huge margin of 1.71 lakh votes. Sharma's rise in the BJP continued, and in 2014, he was appointed BJP national vice-president and subsequently was made the party's Gujarat in-charge.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।